जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली_110025

20 जुलाई, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने "पेंडेमिक मिस्टिसिज्म" पर प्रो. साइमन क्रिचले प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला का दूसरा व्याख्यान आयोजित किया

अंग्रेजी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने शुक्रवार, 16 जुलाई, शुक्रवार को शाम 7.30 आईएसटी के अनुसार ज़ूम पर न्यू स्कूल फॉर सोशल रिसर्च के प्रोफेसर साइमन क्रिचले, दर्शनशास्त्र के हंस जोनास प्रोफेसर द्वारा "पेंडेमिक मिस्टिसिज्म" प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला का दूसरा व्याख्यान आयोजित किया। शैक्षिक एवं अनुसंधान सहयोग प्रोन्नति योजना (एसपीएआरसी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित, अंग्रेजी विभाग के साथ चल रहे अमेरिकी अध्ययन, वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी, के शैक्षणिक सहयोग के क्रम में वार्ता का आयोजन किया गया था, जिसमें क्रमिक रूप से प्रासंगिक व्याख्यानों की श्रंखला की प्रतिबद्धता है।

वार्ता का संचालन सुश्री ज़हरा रिज़वी और सुश्री श्रद्धा ए सिंह, पीएच.डी. स्कॉलर अंग्रेजी विभाग, जामिया ने की, जिसमें दुनिया भर से और विभिन्न टाइम ज़ोन में बड़ी संख्या में विद्वानों, छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रो. सिमी मल्होत्रा, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, जामिया, भारतीय पीआई ने स्वागत भाषण दिया, और आमंत्रित वक्ता, संकाय, विद्वानों और छात्रों का अभिवादन किया। उन्होंने मंत्रालय द्वारा समर्थित "न्यू टरेन्स ऑफ कॉन्शियसनेस: ग्लोबलाइजेशन, सेन्सरी एन्वाइरन्मेंट्स एंड लोकल कल्चर्स ऑफ नालेज" पर अंग्रेजी विभाग, जामिया और अमेरिकी अध्ययन विभाग, वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के बीच चल रही सहयोगी परियोजना, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल 'स्पार्क' पर बात की, जिसका उद्देश्य भारत और विदेशों में उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को सुविधाजनक बनाना है। इसके बाद उन्होंने सम्मानित वक्ता प्रो. साइमन क्रिचले का परिचय कराया, जिनका तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया गया।

प्रो. साइमन क्रिचले ने कोविड-19 महामारी के समय में मानवता के तपस्वी जैसे अनुभव के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह रहस्यवाद के तर्क, कविता और प्रथाओं के साथ गहन ऐतिहासिक और धार्मिक प्रतिध्वनि पाता है। व्याख्यान ने पश्चिम में ईसाई धर्म में पाए जाने वाले रहस्यवाद के अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आमंत्रित किया, और पारंपरिक दार्शनिक विचारों की स्थिति में संशोधन का भी सुझाव दिया जो संदेह और आलोचनात्मक सोच में से एक को समझने पर आधारित है।

व्याख्यान के माध्यम से, प्रो. क्रिचले ने रहस्यवाद को समझने के लिए निम्नलिखित सात क्रियाविशेषणों को भी रेखांकित किया: विशिष्ट रूप से, आत्मकथात्मक रूप से, स्थानीय रूप से, प्रदर्शनात्मक रूप से, व्यावहारिक रूप से, कामुक और तपस्वी रूप से, और दर्शकों को इन क्रियाविशेषणों के संदर्भ में 'महामारी रहस्यवाद' पर सोचने के लिए आमंत्रित किया।

व्याख्यान के बाद एक गहन प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसका समन्वय सुश्री एन सुसान एलेयस, एक पीएच.डी. स्कॉलर, अंग्रेजी विभाग, जामिया ने किया।

सुश्री ज़हरा रिज़वी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। दर्शकों को विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला में अगली वार्ता में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया गया, जोकि प्रो. नैन्सी फ्रेजर द्वारा "द कोविड पेंडेमिक: एपरफेक्ट स्टॉर्म ऑफ़ कैपिटलिस्ट इर्रेश्नलीटी एंड इनजस्टिस" पर 23 जुलाई, 2021 को 8:00-900 बजे सायं आईएसटी के अनुसार दिया जाएगा।

प्रतिभागियों की बड़ी संख्या और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, इस कार्यक्रम को यू-ट्यूब पर भी लाइव स्ट्रीम किया गया था, जिसमें सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया